>

Title: Regarding decision of the Government to restrict Kailash Mansarovar Yatra to an individual only once during his life time.

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर): सभापति महोदय, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे इस महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का समय दिया है।

महोदय, हिन्दुओं की पवित्र धार्मिक कैलाश-मानसरोवर यात्रा विदेश मंत्रालय के सहयोग से कुमाऊँ मंडल विकास निगम द्वारा आयोजित होती है। 26 दिन की यह धार्मिक यात्रा मात्र धार्मिक यात्रा नहीं, अपितु भारत की सांस्कृतिक यात्रा के साथ-साथ कैलाश-मानसरोवर तिब्बत के साथ हमारे पौराणिक एवं ऐतिहासिक संबंधों को प्रदर्शित करने की एक प्रमुख आध्यात्मिक यात्रा भी है।

19.01 hrs (Shri Francisco Cosme Sardina *in the Chair*)

प्राचीन काल से इस प्रकार की यात्राएं राष्ट्रीय एकात्मकता की प्रमुख सम्बल रही हैं। तमाम प्रकार की विघ्न बाधाओं के बावजूद आज भी हजारों की संख्या में श्रद्धालुजन पवित्र कैलाश-मानसरोवर की यात्रा पर जाते हैं। अन्य मतावलंबियों एवं मज़हबी धार्मिक यात्राओं के प्रति सरकार की जो संवेदनशीलता होती है, वह हिन्दुओं की इस पवित्र धार्मिक यात्रा के प्रति नहीं है। कैलाश- मानसरोवर की यात्रा दिल्ली से प्रारम्भ होती है और भारत-तिब्बत बार्डर लिपूपास तक कुमाऊँ मण्डल विकास निगम कुछ आर्थिक सहयोग के साथ इस यात्रा को सम्पन्न कराती है। तीर्थ यात्री विकास समिति के द्वारा पिछले कुछ समय कैलाश मानसरोवर की यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं के साथ दुर्व्यवहार की शिकायत मिल रही है। हमारे संज्ञान में यह भी आया है कि इस वर्ष विदेश मंत्रालय ने यह व्यवस्था की है कि जो लोग एक बार कैलाश मानसरोवर की यात्रा पर गए हैं, उन्हें दोबारा वहां जाने की अनुमति न दी जाए।

महोदय, यह सीधे-सीधे हिन्दू धार्मिक भावनाओं के साथ खिलवाड़ है। जो पुराने श्रद्धालु जाते हैं, वे नये लोगों को प्रोत्साहित करके यात्रा को अत्यन्त सुगम बनाने में योगदान करते हैं। लेकिन सरकार का यह जो रवैया है, वह धार्मिक भावनाओं के साथ-साथ राष्ट्रीय एकात्मकता की एक महत्वपूर्ण यात्रा में बाधा पैदा करने जैसा है।

महोदय, यही नहीं, इसका दुष्प्रभाव भी सामने आया है कि विदेश मंत्रालय द्वारा जो 16 जत्थे भेजे जाते हैं, उनमें प्रत्येक जत्थे में अब तक 60 यात्री जाते थे, लेकिन इसके कारण अब प्रत्येक जत्थे में यात्रियों की संख्या 30 से 40 रह गई है।

मैं आपके माध्यम से मांग करना चाहता हूं कि कैलाश मानसरोवर की यात्रा पर जाने वाले प्रत्येक श्रद्धालु की 26 दिनों की यात्रा के दौरान आने वाले खर्चे का आधा हिस्सा भारत सरकार अनुदान के रूप में सहयोग करे। इसके अलावा यात्रा को और सुगम बनाने के लिए यात्रा मार्ग पर बुनियादी सुविधाओं में बढ़ोतरी और सुरक्षा प्रदान की जाए। तीर्थयात्री विकास समिति के द्वारा कैलाश मानसरोवर की पवित्र धार्मिक यात्रा पर जाने वाले यात्रियों के साथ दुर्व्यवहार करने वाले दोषी अधिकारियों के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही की जाए। पूरे देश के अंदर सभी रेलवे स्टेशनों पर, एयरपोर्ट पर हिंदुओं की पवित्र धार्मिक यात्राओं जैसे कैलाश मानसरोवर यात्रा, चार धाम की यात्रा, अमरनाथ की यात्रा, केरल में सबरीमाला की यात्रा है, बैजनाथ धाम की यात्रा है आदि धार्मिक यात्राओं पर जाने वाले जो तीर्थयात्री हैं, उनके लिए स्पेशल टर्मिनल, स्पेशल व्यवस्था रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट पर करने के साथ उन्हें आरक्षण की सुविधा प्रदान करने के अलावा एक विशेष अधिकारी की नियुक्ति की जाए।

सभापति महोदय :

श्री राजेन्द्र अग्रवाल,

श्री हुक्मदेव नारायण यादव,

श्री कमलेश पासवान,

श्री गणेश सिंह,

श्री महेन्द्र सिंह चौहान,

श्री निखिल कुमार चौधरी और

श्रीमती बोचा झांसी लक्ष्मी अपने आपको योगी आदित्यनाथ द्वारा उठाए गए विषय से सम्बद्ध करते हैं।